सुख, शान्ति का आधार संपूर्ण पवित्रता

मैं परम पवित्र आत्मा हूँ–यह ब्राह्मणों का स्वमान है।
पवित्र भव, योगी भव – ब्राह्मण जीवन का पहला वरदान है।
पवित्र जीवन – बापदादा द्वारा प्राप्त वरदानी जीवन है।
पवित्र आत्मायें जहान के नूर हैं।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन का जीयदान है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन का स्वधर्म है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ श्रृंगार है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन का जन्मसिद्ध अधिकार है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन का आहार, व्यवहार है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन की विशेषता है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन की नवीनता है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन की चमक है।
पवित्रता ब्राह्मण जीवन का आदि, अनादि स्वरूप है।
पवित्रता ब्राह्मणों का सबसे पहला अधिकार है।
पवित्रता ब्राह्मणों का निजी संस्कार है।
पवित्रता संगमयुग की प्रॉसपर्टी है।
पवित्रता विश्व परिवर्तन का आधार है।
पवित्रता भविष्य 21 जन्मों का फाउण्डेशन है।
पवित्रता सुख, शान्ति की जननी है।
पवित्रता अन्धकार को मिटाती है।
पवित्रता से ही रॉयल्टी आती है।
पवित्रता सन्तुष्टता का अनुभव कराती है।
पवित्रता की ही मान्यता, महानता है।
पवित्रता की धारणा ही धर्मसत्ता है।
पवित्रता ही स्वच्छता, श्रेष्ठता है।
पवित्रता की दुआ में बहुत बड़ी शक्ति है।
पवित्रता, पवित्रता को खींचती है।
पवित्रता लगाव व झुकावमुक्त बनाती है।
पवित्रता ईष्ट देव और अष्ट देव बनाती है।
पवित्रता प्रकृति को भी पावन बनाती है।
पवित्रता आकर्षण–मुक्त बनाती है।
पवित्रता दिनचर्या को युक्तियुक्त बनाती है।
पवित्रता सिद्धि स्वरूप सहज बनाती है।
पवित्रता महान, होलीहंस बनाती है।
पवित्रता सर्वशक्तियों से संपन्न बनाती है।
पवित्रता विशेष आत्मा, सफल तपस्वी बनाती है।
पवित्रता हर्षितचित्त, जीवनमुक्त बनाती है।
पवित्रता सच्चा हीरा, मायाजीत बनाती है।
पवित्रता सदा के लिए प्रसन्नचित्त बनाती है।
पवित्रता पूज्यात्मा, सत्यस्वरूप बनाती है।
पवित्रता रिचेस्ट इन दी वर्ल्ड बनाती है।
पवित्रता सुखमय जीवन बनाती है।
पवित्रता बापदादा के दिलतख्तनशीन बनाती है।
पवित्रता विकारों में जलती आत्माओं को शीतल बनाती है।
पवित्रता विश्व के जड़, चैतन्य सबको पवित्र बनाती है।
पवित्रता की शक्ति नेत्रहीन को तीसरा नेत्र देती है।
पवित्रता सारे सृष्टि रूपी मकान को गिरने से थमाती है।
पवित्रता दु:ख, अशान्ति से मुक्त बनाती है।
पवित्रता लाइट का क्राउन पहनाती है।
पवित्रता की सबसे बड़ी स्टेज है – ऑनेस्ट रहना।
पवित्रता मुख पर मुस्कराहट लाती है।
पवित्रता रूहानी खुशबू का अनुभव कराती है।
पवित्रता से चेहरे पर रूहानियत की झलक आती है।
पवित्रता बाप के समीपता का अनुभव कराती है।
पवित्रता सर्व हद की कामनाओं पर जीत दिलाती है।
पवित्रता माया के विघ्नों से बचने की छत्रछाया है।
पवित्रता याद वा सेवा की सफलता का आधार है।
पवित्रता कर्म की गति और विधि का आधार है।
पवित्रता सदा के लिए सर्व प्राप्तियां कराने वाली है।
पवित्र दृष्टि शक्तिशाली बनाती है।
पवित्रता की पर्सनैलिटी सब के सिर झुकाती है।
पवित्रता के आधार से ही भविष्य के लिए नंबर मिलते हैं।
पवित्रता के आधार पर सत्यता का स्वरूप स्वत: सिद्ध होता है।
पवित्रता से सारे विश्व की अपवित्रता को समाप्त कर सकते हैं।
पवित्रता का सम्पूर्ण स्वरूप है ब्रह्मचारी व ब्रह्माचारी बनना।
पवित्रता की शक्ति से किसी भी आत्मा की दृष्टि, वृति और कृति को बदल सकते हो।
पवित्र संकल्प से अपवित्र संकल्प वाली आत्मा को परखकर उसे परिवर्तन कर सकते हो।
पवित्रता की अग्नि सेकंड में विश्व के किचड़े को भस्म करती है।

पवित्रता बढ़ाने के लिए स्लोगन याद रहे - न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा सोचो, न बुरा बोलो और न बुरा करो। **अभ्यास करें** - आत्म-अभिमानी बनो। आत्मिक दृष्टि बनायें। अशरीरीपन की ड्रिल करें। मैं सम्पूर्ण निर्विकारी आत्मा हूँ, अवतरित फरिश्ता हूँ, अपने देवताई स्वरूप को इमर्ज करें।

ओम् शान्ति